(भाव में समानता पर, व्यक्तित्व में बदलाव)

जिन राहों पर तूने कभी सज़दा किया,

अब वे राहे ही मेरी मंज़िल है..,

हशरते आज भी उन्हें चूमने की है,

ज़मी पर उतरे हुए सितारों को..!!